B.A. Part-I

8. HISTORY

The scheme of examination will be as follows:

Scheme:

Maximum Marks 200		Minimum Pass Marks 72
Paper I	3 hrs. Duration	Marks 100
Paper II	3 hrs. Duration	Marks 100

Note: There shall be two papers in all in the subject of History, and each paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each paper shall consist of two parts. Part I shall carry 40 marks and shall consist of two compulsory questions. The first compulsory question will be of 20 marks, comprising of 10 very short answer type questions of two marks each. The answer to each question should not exceed 20 words.

The second compulsory question will be of 20 marks. It will comprise of 10 short answer type questions of 04 marks each, the candidate will be required to answer any 05 questions. The answer to each question should not exceed 50 words.

The second part of the question paper shall be divided into three sections comprising of 06 essay type questions, containing 02 questions from each section, of 20 marks each. Candidate will be required to answer 03 questions, selecting one question from each section. This part of the question paper shall be of 60 marks.

परीक्षा योजना :

अधिकतम अंक 200		न्यूनतम उत्तीर्णांक 72
प्रथम प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100

नोट : इतिहास विषय के कुल दो प्रश्नपत्र होंगे, प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का एवं 100 अंकों का होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के दो भाग होंगे। प्रथम भाग 40 अंको का होगा एवं इस भाग में दो अनिवार्य प्रश्न होंगे। 20 अंकों के प्रथम अनिवार्य प्रश्न में, दो–दो अंक के 10 अनिवार्य अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 20 शब्द।

20 अंकों के द्वितीय अनिवार्य प्रश्न में, चार–चार अंकों के 10 लघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्द।

प्रश्नपत्र के द्वितीय भाग में, पाठ्यक्रम के तीन खण्डों में से, प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल 06 निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का होगा। परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्न हल करने होंगे। प्रश्नपत्र का यह भाग 60 अंको का होगा।

अकादमिक प्रभारी

38

PAPER I : HISTORY OF INDIA (FROM THE BEGINNING UPTO 1200 A. D.)

Section - A

Main sources of the history of India upto 1200 A.D. A brief survey of Prehistoric cultures in India. The Indus-Saraswati civilization – origin, extent, salient features, decline and continuity. The Vedic age – Vedic literature, polity, society, economy and religion. A brief survey of Iron age cultures in India. Rise of Janapadas and Mahajanapadas – monarchies and republics. Rise of Magadhan imperialism upto the Nandas. Jainism and Buddhism – origins, teachings, contribution.

Section – B

The Mauryan empire – main sources. Chandragupta Maurya and Aśoka. Aśoka's Dhamma – its nature and propagation. Mauryan state and administration, society and economy, art and architecture. Decline of the Mauryas. The post-Mauryan period (c. 200 B.C. to 300 A.D.) – achievements of the Sungas, Satavahanas, Sakas and Kushanas. Social, Religious and Economic life and development of literature and arts during the post-Mauryan period. The Sangam age – literature, society, economy, and culture.

Section - C

The Gupta empire – achievements of Samudragupta, Chandragupta II Vikramaditya, Skandagupta. State and administrative institutions. Social and Economic Life. Religious thought and institutions. Developments in literature, arts and sciences. Post-Gupta period upto 750 A.D. – achievements of the Vardhanas, Chalukyas and Pallavas. Tripartite Struggle. The Imperial Cholas and their achievements. A study of social and economic changes and a brief survey of cultural life during the period c. 750 to 1200 A. D.

अकादमिक प्रभारी

प्रथम प्रश्नपत्र : भारत का इतिहास (आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)

खण्ड – क

1200 ईस्वी तक भारत के इतिहास के मुख्य स्रोत। भारत की प्रागैतिहासिक संस्कृतियों का संक्षिप्त सर्वेक्षण। सिन्धु–सरस्वती सभ्यता – उद्गम, विस्तार, प्रमुख विशेषताएँ, पतन एवं निरंतरता। वैदिक युग – वैदिक साहित्य, राजशासन, समाज, अर्थव्यवस्था एवं धर्म। भारत की लौहयुगीन संस्कृतियों का संक्षिप्त सर्वेक्षण। जनपदों एवं महाजनपदों का उदय – राजतंत्र एवं गणतंत्र। नंद वंश तक मागध साम्राज्यवाद का उत्कर्ष। जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म – उद्गम, शिक्षाएं, योगदान।

खण्ड – ख

मौर्य साम्राज्य– मुख्य स्रोत। चन्द्रगुप्त मौर्य एवं अशोक। अशोक का धम्म – इसकी प्रकृति एवं प्रचार। मौर्यकालीन राज्य एवं प्रशासन, समाज एवं अर्थव्यवस्था, कला एवं स्थापत्य। मौर्यों का पतन। मौर्योत्तर काल (लगभग 200 ई. पू. से 300 ईस्वी) – शुंगों, सातवाहनों, शकों एवं कुषाणों की उपलब्धियाँ। मौर्योत्तर काल में सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक जीवन, तथा साहित्य एवं कलाओं का विकास। संगम युग – साहित्य, समाज, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति।

खण्ड – ग

गुप्त साम्राज्य – समुद्रगुप्त, चन्दगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य, स्कंदगुप्त की उपलब्धियाँ। राज्य एवं प्रशासनिक संस्थाएँ। सामाजिक एवं आर्थिक जीवन। धार्मिक विचार एवं संस्थाएँ। साहित्य, कला एवं विज्ञान का विकास। 750 ईस्वी तक गुप्तोत्तर काल – वर्धनों, चालुक्यों एवं पल्लवों की उपलब्धियाँ। त्रि–राज्यीय संघर्ष। साम्राज्यवादी चोल एवं उनकी उपलब्धियाँ। 750 से 1200 ईस्वी के काल में सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तनों का अध्ययन तथा सांस्कृतिक जीवन का संक्षिप्त सर्वेक्षण।

Books Recommended (अनुशंसित पुस्तकें) :

H. D. Sankalia	:	*Prehistory of India*, Munshiram Manoharlal, New Delhi, 1977
Dilip K. Chakrabarti	:	*India : An Archaeological History (Pelaeolithic Beginnings to Early Historic Foundations)*, Oxford University Press, New Delhi, 1999
B. B. Lal	:	*India 1947-1997 : New Light on the Indus Civilisation*, Delhi, 1998
R.K. Mookerji	:	*Chandragupta Maurya and His Times*, Delhi, 1952 (also in Hindi)
	:	*Aśoka*, Delhi, 1972 (also in Hindi)
B. N. Puri	:	*India under the Kushanas*, Bombay, 1965

अकादमिक प्रभारी

निदेशक

(40)

R.C. Majumdar & A.S. Altekar	:	*The Vakataka-Gupta Age* (also in Hindi)
Baij Nath Sharma	:	*Harsha & his times*, Varanasi, 1970
K.A.N. Sastri	:	(Ed.) *Age of the Nandas & Mauryas* (also in Hindi)
	:	*A History of South India* (also in Hindi)
	:	*The Cholas* (also in Hindi)
Romila Thapar	:	*A History of India*, Vol I, Penguin, 1966 (also in Hindi)
	:	*Aśoka & the Decline of the Mauryas*, 3rd impression, Delhi, 1999
Upinder Singh	:	*A History of Ancient and Early Medieval India* (From the Stone Age to the 12th Century), Pearson Longman, Delhi, 2009
विदुला जायसवाल	:	*भारतीय इतिहास का नव-प्रस्तर युग*, दिल्ली, 1992
के. के. थपल्याल एवं एस.पी. शुक्ला	:	*सिन्धु सभ्यता*, लखनऊ, 1976
मदन मोहन सिंह	:	*बुद्धकालीन समाज और धर्म*, पटना, 1972
पी.एल. गुप्ता	:	*गुप्त साम्राज्य*
विशुद्धानन्द पाठक	:	*उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास*, लखनऊ, 1990
बलराम श्रीवास्तव	:	*दक्षिण भारत का इतिहास*, वाराणसी, 1968
के.सी. श्रीवास्तव	:	*प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति*, इलाहाबाद

PAPER II : HISTORY OF RAJASTHAN (FROM EARLIEST TIMES TO 1956 A.D.)

Section - A

A survey of the sources of the history of Rajasthan. Palaeolithic and Mesolithic cultures in Rajasthan. Extent and characteristics of Chalcolithic and Copper age cultures (Ahar, Balathal, Ganeshwar). Characteristics of Kalibangan culture. Matsya Janapada and Republican Tribes in Rajasthan. Origin of Rajputs. Rise and expansion of Guhilas, Gurjara-Pratiharas and Chahamanas.

अकादमिक प्रभारी

Section – B

Rajput resistance to Muslim incursions in Rajasthan. Mewar under Maharana Kumbha and Sanga. Maharana Pratap's struggle for independence. Chandrasen's efforts for freedom. Contribution of Sawai Jai Singh. A brief survey of the main features of the society and culture in Rajasthan (1200-1750 A.D.). Meera and Dadu. Art and architecture – fort architecture, temples. History of Jat kingdom of Bharatpur with special reference to Thakur Badan Singh and Maharaja Suraj Mal.

Section – C

Maratha incursions in Rajasthan and their impact. Acceptance of British suzerainty and its consequences. Administrative and Judicial changes after 1818 A. D. Social changes – Prohibition of Female Infanticide and Sati. Economic changes – Land Revenue Settlements. British monopoly of Salt and Opium Trade. Outbreak of 1857 in Rajasthan. Influence of Arya Samaj in Rajasthan. A brief survey of Peasant Movements and Tribal Movements. Formation of Praja Mandals and Freedom Struggle in Rajasthan. Integration of the States of Rajasthan with special reference to Bharatpur and Dholpur.

द्वितीय प्रश्नपत्र : राजस्थान का इतिहास (आरंभिक काल से 1956 ईस्वी तक)

खण्ड – क

राजस्थान के इतिहास के स्रोतों का सर्वेक्षण। राजस्थान में पुरापाषाणकालीन एवं मध्यपाषाणकालीन संस्कृतियाँ। ताम्रपाषाणिक एवं ताम्रयुगीन संस्कृतियों का विस्तार एवं विशेषताएँ (आहाड़, बालाथल, गणेश्वर)। कालीबंगा संस्कृति की विशेषताएं। राजस्थान में मत्स्य जनपद एवं गणतांत्रिक जातियाँ। राजपूतों का उदय। गुहिलों, गुर्जर–प्रतिहारों एवं चाहमानों का उत्कर्ष एवं विस्तार।

खण्ड – ख

राजस्थान में मुस्लिम आक्रमणों का राजपूत प्रतिरोध। महाराणा कुंभा एवं सांगा के अधीन मेवाड़। महाराणा प्रताप का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष। स्वातंत्र्य के लिए चंद्रसेन के प्रयास। सवाई जयसिंह का योगदान। राजस्थान में समाज एवं संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का संक्षिप्त सर्वेक्षण (1200–1750 ईस्वी)। मीरां एवं दादू। कला एवं स्थापत्य – दुर्ग स्थापत्य, मंदिर। भरतपुर साम्राज्य का इतिहास – ठाकुर बदन सिंह और महाराजा सूरजमल के विशेष संदर्भ में

खण्ड – ग

राजस्थान में मराठा आक्रमण एवं उनका प्रभाव। ब्रिटिश प्रभुत्व का स्वीकार एवं इसके परिणाम। 1818 ईस्वी के पश्चात् प्रशासनिक एवं न्यायिक परिवर्तन। सामाजिक परिवर्तन – कन्या–शिशु वध एवं सती पर प्रतिबन्ध। आर्थिक परिवर्तन – भू राजस्व बंदोबस्त। नमक एवं अफीम व्यापार पर ब्रिटिश एकाधिकार। राजस्थान में 1857 का विप्लव। राजस्थान में आर्य समाज का प्रभाव। कृषक आन्दोलनों एवं जनजातीय आंदोलनों का एक संक्षिप्त सर्वेक्षण। राजस्थान में प्रजामंडलों का गठन एवं स्वाधीनता संघर्ष। राजस्थान के राज्यों का एकीकरण भरतपुर और धौलपुर के विशेष सन्दर्भ में।

अकादमिक प्रभारी

संतोष

Books Recommended (अनुशंसित पुस्तकें) :

Dasharath Sharma	:	*Rajasthan through the Ages*, Vol. I, Bikaner, 1966
	:	*Early Chauhan Dynasties*, Delhi, 1975
G. N. Sharma	:	*Rajasthan through the Ages*, Vol. II
	:	*Mewar and the Mughal Emperors*
	:	*Social Life in Medieval Rajasthan*
M. S. Jain	:	*Rajasthan through the Ages*, Vol. III
	:	*Surplus to Subsistence*, Delhi, 1994
	:	*Concise History of Modern Rajasthan*
D.C. Shukla	:	*Early History of Rajasthan*, Delhi, 1978
B. N. Puri	:	*The History of the Gurjara-Pratiharas*, Delhi, 1975
Shanta Rani Sharma	:	*Society and Culture in Rajasthan c. A.D. 700-900*, Delhi, 1996
V.S. Bhatnagar	:	*Life & Times of Sawai Jai Singh* (also in Hindi)
V. N. Misra	:	*Rajasthan : Prehistoric and Early Historic Foundations*, Aryan Books International, New Delhi, 2007
H. D. Sankalia *et al*	:	*Excavations at Ahar* (Tambavati), 1961-62, Deccan College, Poona, 1969
Rima Hooja	:	*A History of Rajasthan*, Rupa & Co., New Delhi, 2006
	:	*The Ahar Culture and Beyond*, Oxford, 1988.
गोपीनाथ शर्मा	:	*राजस्थान का इतिहास*, आगरा
	:	*राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास*, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
	:	*राजस्थान के इतिहास के स्रोत*, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
विशुद्धानन्द पाठक	:	*उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास*, लखनऊ
एम.एस. जैन	:	*आधुनिक राजस्थान का इतिहास*, जयपुर
रामप्रसाद व्यास	:	*आधुनिक राजस्थान का वृहत् इतिहास*, खण्ड I एवं खण्ड II, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

~~ब्रजेन्द्र बहादुर~~
उपेन्द्रनाथ शर्मा : ब्रजेन्द्र बहादुर : महाराजा सूरजमल जाट, मंगल प्रकाशन, जयपुर
जी० सी० द्विवेदी : जाट और मुगल साम्राज्य, दिल्ली

किताब

अकादमिक प्रभारी